an>

Title: Need to increase allocation for investment on family planning programmes.

श्रीमती मीनाक्षी लेखी (नई दिल्ली) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक बहुत महत्वपूर्ण विÂष्य की ओर आकर्Âिषत करना चाहती हूं। भारत को अगर टिकाऊ लक्ष्य प्राप्त करने हैं, तो कहीं न कहीं जनसंख्या नियंत्रण पर काम करना होगा। अभी हाल ही में केन्द्र सरकार का जो स्वास्थ्य बजट आया है, उसके मुताबिक परिवार नियोजन पर मात्र 4 प्रतिशत खर्च किया गया है। वÂर्ष 2012 का लो लंदन समिट था, उसमें यूनीवर्सल हैल्थ कवरेज और परिवार नियोजन, दोनों को लेकर तय किया गया था कि तकरीबन 2 मिलियन डॉलर, जो लगभग 3,500 करोड़ रुपए के आसपास की धनराशि है, उसका प्रावधान किया जाएगा, लेकिन पिछले एक दशक से ऐसा पाया गया है कि धनराशि की कमी की वजह से इस काम में कहीं न कहीं 54 प्रतिशत की गिरावट आई है और जो हमारा एक्सपेंडीचर है, उसके कारण हम अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए फेमिली प्लानिंग एक्सपेंडीचर पर जो स्पेसिंग मैथड्स वगैरह हैं, उस पर केवल 1.4 प्रतिशत बजट का हिस्सा खर्च किया गया है। मैं आशा करती हूं कि वÂर्ष 2016-17 के बजट में इस पर ध्यान दिया जाएगा और स्वास्थ्य की दृष्टि से इसके आयोजन और क्रियान्वयन में बेहतर टैक्नोलौजी पर काम कर के ध्यान दिया जाएगा और इस विषय पर समुचित कार्रवाई करेंगे तथा जो राज्य इसमें पार्टीसिपेट नहीं कर रहे हैं, उन पर भी वांछित कार्रवाई की जाए, इसकी अपेक्षा है। अध्यक्ष महोदया, मुझे इस महत्वपूर्ण विÂषय को सदन में उठाने हेतु समय देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्या, श्रीमती मीनाक्षी लेखी जी द्वारा सदन में प्रस्तुत किए गए विÂषय से

सर्वश्री भैरोंप्रसाद मिश्र,

कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल एवं

श्री सुधीर गुप्ता अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।